डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ0प्र0)
DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADH UNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

हिन्दुस्तान

दिनांकः 17 मई, 2025 पृष्ठ संख्याः 04

सीएस एंड इंजीनियरिंग और इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी में सीट के लिए मारामारी हो रही

सेल्फ फाइनेंस में ढेरों मौके मगर आवेदक को जेब पर पड़ेंगे भारी

■ राममूर्ति यादव

अयोध्या। यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड इंटरमीडिएट (गणित एवं विज्ञान वर्ग) के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए जेब ढीली करनी पड़ेगी, क्योंकि डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान से संचालित बीटेक के आधा दर्जन पाठ्यक्रम सेल्फ फाइनेंस के तहत संचालित हो रहे हैं। इसलिए बीटेक में प्रवेश के लिए वार्षिक फीस काफी मंहगी है, हालांकि अवध विवि में लखनऊ रीजन में अन्य संस्थानों से कम फीस बताई जा रही है। आईईटी में बीटेक के छह कोर्स में कुल 360 सीटें हैं, लेकिन कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग और इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी में दाखिले के लिए मारामारी रहती है। जबकि अन्य चार पाठ्यक्रमों में प्रवेश मिलने की गुजाइश रहती है। फिलहाल जिले के अभ्यर्थियों की पहली पसंद अवध विवि होती है, लेकिन उच्च श्रेणी परिवार के विद्यार्थी गैर प्रांत में अध्ययन के ठिकाने की तलाश में रहते हैं।

अवध विश्वविद्यालय

बीटेक में छह कोर्स हो रहे संचालित

अयोध्या। अवध विवि के आईईटी में यूजी में छह कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। इसमें सिविल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग शामिल हैं। सभी कोर्स में प्रवेश के लिए 60- 60 सीटें आवंटित हैं। प्रवेश प्रक्रिया के लिए अभ्यर्थियों को जेईई मेन्स, सीयूईटी व एकेटीयू के मानक से गुजरना पड़ता है। रिक्त सीटों पर अवध विवि 12वीं पास मेरिट के आधार पर लेगा। सालाना फीस 76 हजार 850 रुपए निर्धारित की गई है। इसमें पांच हजार रुपए कासन मनी शामिल है। रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए अभ्यर्थी वेबसाइट rmlau.ac.in पर आवेदन कर सकेंगे।

पिछले चार वर्ष से एक भी सीटें रिक्त नहीं रहती हैं

अवध विवि के इंजीनियरिंग संस्थान में वर्ष 2018 से बीटेक के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और सिविल इंजीनियरिंग कोर्स संचालित हो रहा है। जबकि वर्ष- 2020 से कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग एवं इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी संचालित किया जा रहा है। विवि के जानकारों की मानें तो अभ्यर्थियों को जेईई मेन्स, सीयूईटी, एकेटीयू के जरिए प्रवेश मिलता है। इसमें अवध विवि में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग और इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी में पिछले चार वर्ष से एक भी सीटें रिक्त नहीं रहती हैं। जबकि अन्य चार पाठ्यक्रम में औसतन 40 फीसदी सीटें रिक्त रह जाती हैं, जिन्हें विवि अपने स्तर से आवेदन लेकर मेरिट के आधार पर प्रवेश देता है। हालांकि विवि की ओर से सभी कोर्स में में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया अभी से शुरू कर दी गई है।

अमृत विचार

दिनांक: 17 मई, 2025 पृष्ठ संख्या: 05

प्रभारी कुलपति के 'एक फरमान' से अवध विश्वविद्यालय के शिक्षक हैरान

अयोध्या कार्यालय

नहीं जारी की गई सेमेस्टर परीक्षा की सूचना, बड़े बदलाव की सुगबुगाहट, पारदर्शिता की जगह बढ़ेगी पर्देदारी

अमृत विचार : डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में शुक्रवार का दिन शिक्षकों और विभागाध्यक्षों के लिए बेचैनी भरा रहा। प्रभारी कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह द्वारा यहां जारी एक फरमान ने शिक्षकों और विभागाध्यक्षों के न केवल हाथ बांध लिए है बल्कि होंठ भी सी लिए। सूत्रों के अनुसार प्रभार संभालने के बाद दूसरी बार पहुंचे प्रभारी कुलपति ने आंतरिक बैठक कर एक विशेष गाइड लाइन जारी कर दी। जिसके तहत अब परीक्षा समेत विभिन्न सूचनाओं के लिए मीडिया को संबधित विभागों से सीधा संपर्क करना होगा। माना जा रहा है पारदर्शिता के बजाए पर्देदारी बढ़ाई जा रही है।

पूर्णकालिक कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल 24 जून तक व्यक्तिगत कारणों से अवकाश पर हैं। इस दौरान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह यहां का अतिरिक्त प्रभार देख रहे हैं। विगत दिनों प्रभार संभालने के बाद शुक्रवार को दूसरी बार अवध विश्वविद्यालय पहुंचे प्रभारी कुलपति ने सबसे पहले विभागाध्यक्षों और कुलसचिव तथा परीक्षा नियंत्रक के साथ आंतरिक बैठक की। विश्वविद्यालय सूत्रों के अनुसार बैठक में प्रभारी कुलपति ने अपनी मंशा और कार्य नीति स्पष्ट करते हुए कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। बताया जाता है कि विभागाध्यक्षों से कहा गया है कि किसी भी तरह के विभागीय निर्णय से पहले अवगत कराएं और अनुमोदन के बाद ही उसे लागू किया जाए। इसके अलावा मीडिया से सूचनाओं को साझा करने को लेकर भी निर्देश दिया गया है कि विभागों से जुड़ी जानकारी सीधे विभागाध्यक्ष द्वारा दी जाए। खासकर परीक्षा अथवा उससे जुड़ी जानकारी परीक्षा नियंत्रक द्वारा ही दी जाए। प्रभारी कुलपति ने पूरी तरह स्पष्ट किया है कि विश्वविद्यालय में कार्य पद्धति में आमूल चूल परिवर्तन किया जाए ताकि व्यवस्था बेहतर ढंग से संचालित हो। इसके अलावा कई और निर्देश दिए गए हैं जिसे लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन में असहजता की स्थिति उत्पन्न हो गई है। आलम यह रहा कि आंतरिक बैठक के बाद विभागों में पहुंचे जिम्मेदारों ने मोबाइल तक बंद कर लिए। इतना ही नहीं जिनके मोबाइल ऑन भी रहे उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की। जब सेमेस्टर परीक्षा की सूचना को लेकर परीक्षा नियंत्रक डॉ. सिद्धार्थ शुक्ला को कॉल की गई कि तो उन्होंने बताया कि परीक्षा सूचना मीडिया प्रभारी द्वारा दी जाएगी, लेकिन आज कुछ कारणों से नहीं जारी की जा रही है। कुलपति द्वारा अभी परीक्षा से जुड़ी सूचनाएं देने के लिए व्यवस्था को फिलहाल स्थगित किया गया है। फिलहाल शुक्रवार को विश्वविद्यालय में दोपहर से देर शाम तक वातावरण में काफी कुछ चर्चाएं घुलती दिखाई दीं। इस संबंध में प्रभारी कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह से कई बार बात करने का प्रयास किया गया लेकिन मोबाइल कॉल रिसीव नहीं हुई।

अमर उजाला माईसिटी

दिनांक: 17 मई, 2025 पृष्ठ संख्या: 04

अब हर साल कोर्स में छात्र संख्या की होगी समीक्षा

अमर उजाला ब्यूरो

अयोध्या। डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में अब हर साल स्ववित्त पोषित पाठ्यक्रमों में छात्र संख्या की समीक्षा की जाएगी। विभागवार समीक्षा के आधार पर इनके संचालन या बंद करने पर विचार होगा। फिलहाल बंद किए जाने की सूची में शामिल एमटेक से जुड़े पांच से छह कोर्स का संचालन करते रहने पर विचार किया जा सकता है।

विश्वविद्यालय में 10 प्रवेश से कम संख्या वाले स्ववित्त पोषित पाठयक्रमों से जुडे 38 डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स बंद किए जाने का निर्णय किया गया है। इन कोर्स में सत्र 2025-26 से प्रवेश नहीं होगा। बंद किए गए एक वर्ष से अधिक अवधि वाले कोर्स में उनकी अवधि पूरी करने के बाद प्रवेश नहीं लिए जाएंगे। यह

विभागवार समीक्षा के आधार पर संचालन या बंद करने पर होगा निर्णय

एमटेक से जुड़े कोर्स संचालित करते रहने पर किया जा सकता है विचार

निर्णय इन कोर्स के घाटे में चलने की बजाय नैक मूल्यांकन में बेहतर छवि प्रदर्शित करने के उद्देश्य से लिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के सूत्रों के अनुसार नैक मूल्यांकन के लिए संचालित कोर्स और उनकी छात्र संख्या का विवरण देना होता है।

ऐसे में कोर्स ज्यादा होने और छात्रों की संख्या कम होने के चलते विश्वविद्यालय की ग्रेडिंग पर नकारात्मक असर पड़ता। इसीलिए ऐसे कोर्स बंद करने का निर्णय करना पड़ा। इस बीच यह प्रावधान भी किया जा रहा है कि अब हर साल विभिन्न स्ववित्तपोषित कोर्स में छात्रों के प्रवेश की समीक्षा की जाए। पहली बार ऐसी समीक्षा करने में विश्वविद्यालय ने पांच साल लगा दिए हैं।

इसी तरह एमटेक से जुड़े कुछ पाठयक्रमों को बंद करने की बजाय संचालित करते रहने की संभावना भी तलाशी जा रही है। इस बारे में कुलसचिव के स्तर से कुलाधिपति को ब्योरा भेजा जाएगा। साथ ही प्रभारी कुलपति डॉ. बिजेंद्र कुमार की ओर से इस बारे में राजभवन से वार्ता भी की जा सकती है। यदि राजभवन ने हरी झंडी दे दी तो फिर ये कोर्स बंद नहीं किए जाएंगे। इसमें नए सत्र में प्रवेश लिया जाएगा। इस पर अंतिम निर्णय जल्द ही हो जाएगा।